

तरना, पार होना 3. उद्धरण, किसी पुस्तक या लेख का ज्यों-त्यों लिया गया अंश quotation 4. देवादि का पार्थिव रूप में प्रकट होना 5. घाट की सीढ़ी 6. उपोद्घात, भूमिका।

**अवतरण-चिह्न** पुं. (तत्) वह विरामचिह्न जिसका प्रयोग उद्धरण के लिए होता है, प्रारंभिक और अंतिम शब्दों के ऊपर बाहर की ओर एक या दो अल्पविराम चिह्न (कॉमा) के रूप में इसे लिखा जाता है जैसे- गीता का कथन है कि, "कर्म करते रहो।" पर्या. उद्धरण-चिह्न। inverted commas

**अवतरण भूमि** स्त्री. (तत्) 1. विमानों के उड़ने एवं उतरने के लिए बनाया गया स्थान जो समस्त सुविधाओं एवं सुरक्षा से युक्त होता है। 2. देवताओं एवं महापुरुषों की अवतरणस्थली।

**अवतरणिका** स्त्री. (तत्.) 1. ग्रंथ की प्रस्तावना, उपोद्घात 2. ग्रंथ के प्रारंभ में की जाने वाली सरस्वती वंदना अथवा मंगलाचरण 3. परिपाटी।

**अवतरणी** स्त्री. (तत्.) दे. अवतरणिका।

**अवतरना** अ.क्रि. (तद्.) 1. ऊपर की ओर से नीचे आना, उतरना 2. जन्म लेना 3. अवतार लेना, शरीर धारण करना 4. प्रकट होना, सामने आना।

**अवतरित** वि. (तत्.) 1. जिसने अवतार लिया हो 2. उतरा हुआ 3. पार पहुँचा हुआ।

**अवतर्पण** पुं. (तत्.) शांति के लिए किया गया उपाय।

**अवतल** वि. (तत्) जिसका तल बीच में से दबा हो, (एक गड़ढे की तरह) नतोदर। concave

**अवताड़न** पुं. (तत्.) 1. प्रताड़ित करने का भाव 2. पीटना, चोट पहुँचाना, कुचलना, रौंदना।

**अवतान** पुं. (तत्.) 1. फैलाव 2. धनुष के तने होने की स्थिति 3. आवरण 4. चंदोवा।

**अवताप** पुं. (तत्.) 1. ऊपर से प्राप्त गर्मी 2. कष्ट।

**अवतापी** वि. (तत्.) (ऊपर से) कष्ट या ताप पहुँचाने वाला, जैसे- सूर्य का ताप।

**अवतापीय न्यूट्रॉन** पुं. (तत्+अं) भौ. अत्यंत निम्न ऊर्जायुक्त इलेक्ट्रॉन।

**अवतार** पुं. (तत्.) 1. ईश्वर या देवता द्वारा शरीर धारण कर धरती पर आगमन 2. इस प्रकार अवतरित विशिष्ट व्यक्ति।

**अवतारण** पुं (तत्.) 1. उतारना, नीचे लाना 2. भूमिका 3. इंद्रियगोचर करना।

**अवतारना** स.क्रि. (तत्.) 1. उत्पन्न करना 2. रचना 3. उतारना।

**अवतारवाद** पुं. (तत्.) धर्म. यह सिद्धांत कि परमात्मा मानव रूप धारण करके पृथ्वी पर अवतरित होता है।

**अवतारी** वि. (तत्.) 1. अवतार लेने वाला 2. अलौकिक गुणों से युक्त।

**अवतीर्ण** वि. (तत्.) 1. अवतार के रूप में उत्पन्न 2. उतरा हुआ 3. उद्धृत।

**अवदंश** पुं. (तत्.) 1. मद्यपान आदि के समय भूख बढ़ाने के लिए खाई जानेवाली चटपटी वस्तु।

**अवदरण** पुं. (तत्.) 1. तोड़ना-फोड़ना 2. पीसना, अच्छी तरह दलना।

**अवदशा** स्त्री. (तत्.) 1. हीन दशा, बुरी दशा, दुर्दशा।

**अवदाघ** पुं. (तत्.) 1. जलन, ताप 2. गरमी 3. गरमी की ऋतु।

**अवदात** वि. (तत्.) 1. निर्मल 2. सुंदर, उज्ज्वल 3. गुणी 4. पीला।

**अवदान** पुं. (तत्.) 'योगदान' के अर्थ में आजकल बहुधा प्रयुक्त शब्द, जिसका प्राचीन अर्थ कीर्तिकर या शौर्यसंपन्न कार्य था। contribution

**अवदान्य** वि. (तत्.) जो वदान्य अर्थात् वाक्पटु या उदार न हो 1. अवाक्पटु 2. कंजूस, कृपण।